Evil souls के प्रति सकाश

अपने आपको एक पॉवरफुल चमकता हुआ सितारे रूप में देखें...........और अनुभव करें मैं मा0 सर्वशक्तिवान हूँ.........महाकाल की संतान........ उनकी समस्त शक्तियों का वारिस.........अविनाशी आत्मा हूँ........अब अपने शरीर से बाहर निकलें......और देखें........ कि आपका फरिश्ता स्वरूप सामने खड़ा है............उसमें प्रवेश करें........अपनी अद्भुत शक्तियों को............ लाइट के शरीर द्वारा बाहर निकलते हुए देखें...........अब शान्ति स्तम्भ पर आयें............ और बाबा से शक्ति लें और उड़ें.........चारों ओर चक्कर लगाते हुए ढूढ़ें उन्हें...........जो काले प्रकाश के फरिश्ते हैं............और अब एक ऊँचें पहाड़ पर खड़े हो जायें..........और उन सबका आह्वान करें..........उनसे कहें कि............एक तो तुम पहले ही कालिमा लिए हो............ और अंधकार में ही फिर घूम रहे हो...........बाहर निकलो........... ज्ञानसूर्य तुम्हें मिलने आया है............हम सितारे भी तुम्हारे इन्तजार में खड़े हैं........आ जाओ...........तुम इधर–उधर क्यों भटक रहे हो..........भगवान नया संसार बना रहे हैं...........तुम उसमें अपना नया सुन्दर शरीर ले सकते हो...............और आनन्द से संपूर्ण सुखमय.........जीवन जी सकते हो............क्यों किसी के कमजोर शरीर को छीन रहे हो..........उसके शरीर का सहारा ले ....अपनी इच्छाओं को क्या पूरा करना...........क्या तुम्हारा अपना कोई वजूद नहीं..........तुम्हारा अपना स्वाभिमान कहाँ गया...........तुम इधर– उधर क्यों भटक रहे हो.......तुम्हें भी सबकी तरह जीने का अधिकार है..........ऐसे तो जहाँ भी जाते हो ....लोग तुम्हें कैसे–कैसे भगाते हैं.......यहाँ तुम मेरे सामने आओ............तुम मेरे पास निश्चिन्त होकर आ सकते हो............और महसूस करें कि............कई आत्मायें डरते हुए..........संकोच करते हुए आ रही हैं............. अभी भी ठीक से देखें ....अभी भी कई आत्मायें छिपी हैं..........उन्हें भी बुलायें तुम क्यों डर रहे हो.........हम तुम्हें मुक्ति का मार्ग दिखाने आये हैं...............तुम मुझसे मत डरो..............हम तुम्हें खुली हवा में........... श्वॉस लेने के लिए राह बताने आये हैं...........

और अब ऊपर देखें महाकाल.............. धीरे–धीरे नीचे उतर रहे हैं..........सिर के ऊपर आकर ठहर गये.......पवित्रता और शान्ति की किरणें..........सब पर फैला रहे हैं.......सभी आत्मायें जैसे तृप्त हो रहे हो........जैसे उनके जन्म–जन्मान्तर के........... पाप भस्म हो रहे हैं.........सभी आत्मायें जैसे बाबा को.............बहुत कातर नजरों से देख रहे हैं......... और आभार व्यक्त कर रही हों................बाबा के जाने बाद..........अब उनसे बात करें...... ....अभी तुम स्वयं का शरीर का ....खुद का शरीर लो..........और भगवान जो परिस्तान स्थापित कर रहे हैं............तो तुम अपना शरीर लेकर..............उस नई दुनिया में चलने का पुरूषार्थ कर लो..............और अब महसूस करें.............उनके इस नये प्रस्ताव की खुशी ....सुखमय आजाद जीवन जीने के लिए.............और अब देखें कि एक–एक करके सभी जा रहे हैं..............आत्माओं को अनेक माताओं के..........गर्भ में प्रवेश होते देखें................और अब उन माताओं को इमर्ज करे.................उन सबको पवित्रता एवं सहनशक्ति........... ट्रॉसफर करते हुए कहें.............तुम सवयं एक शक्ति हो ....तुम्हें एक महान पुण्य काम करना है..............तुमने उनको आश्रय दिया है.......... ..जो बहुत लम्बे समय तक............ यहॉं–वहॉं भटक रहे थे............उनको ठिकाना देना एक अति उत्तम कार्य है.............ये आपका एहसान तो मानेंगी ही.......सारा समाज तुम्हें दुआएं देगा............तुम्हें भगवान की समस्त शक्तियॉं मदद करेंगी..............अब उन आत्माओं के सिर पर.............बड़े प्यार से हाथ रखें.............और पवित्रता और शान्ति की शक्ति.......... किरणों के रूप में ट्रॉसफर........ प्रेम से उन्हें दृष्टि देते हुए महसूस करें............उनके चेहरे पर गर्व और रहम का भाव.............बड़ी कृतज्ञता के साथ........ वे सब अपना हर्ष व्यक्त कर रही हैं..............और अब वापस आयें...........और अपने शरीर में प्रवेश करें.............और महसूस करें भटकने के दर्द को.............इनका भटकना भी कितनों के मन............ में खौफ पैदा करता है..........इन सबको महफूज़ ठिकाना

दिलाना..........हमारा नैतिक फर्ज है...........ये कार्य तो हम रोज कर सकते हैं....................
..ये कार्य हमें अब रोज करना है.............

भाई साहब

ये कॉमेन्ट्री अगर ठीक लगे तो यूज कर सकते हैं,अगर नहीं तो कुछ और बाद में सोचेंगें,ये कॉमेन्ट्री हमने कल उदयपुर एअर पोर्ट पर लिखी थी ।

आज जो आपने एक नवीन प्रयोग किया वो सबको काफी अच्छा लगा होगा?

इसमें आप नेक्स्ट ये भी कर सकते हैं, टेबेल पर कई शक्तियों के नाम वाली बन्द स्लिप रखें,सभी लोग एक–एक स्लिप उठा लें और अब आमने –सामने बैठ जायें और एक लाइन को वह शक्ति बाबा से लेने के लिए कहें, जो उसके पास स्लिप में मिली है, फिर दृष्टि के द्वारा सामने वाले को वही शक्ति ट्रॉसफर करें और सामने वाला उस शक्ति को रिसीव करे, ऐसे ही अब हाथ मिला कर सामने वाले को वह शक्ति ट्रॉसफर करें और सामने वाला उस शक्ति को रिसीव करे, यही प्रक्रिया सामने वाली लाइन करे, फिर एक से पूँछें कि तुमने कौन सी शक्ति रिसीव किया, फिर सामने वाले से पूँछें कि तुमने कौन सी शक्ति ट्रॉसफर की अब एक दूसरे की स्लिप देखें कि सही है। इसमें कैचिंग एवं टचिंग पॉवर कैसी है पता पड़ेगा।